



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, वीरवार, 12 अगस्त, 2004/21 भावण, 1926

हिमाचल प्रदेश सरकार

गृह (अभियोजन) विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 4 अगस्त, 2004

संख्या गृह(अभियोजन)-बी(2)-8/99.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, इस विभाग की अधिसूचना संख्या एल0 एल0 आर-बी(14)-1/95, तारीख 15-3-1997 द्वारा अधिसूचित हिमाचल प्रदेश अभियोजन विभाग निजी सहायक वर्ग-III (अराजपतित) भर्ती और प्रोन्नति नियमों में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश अभियोजन विभाग निजी सहायक वर्ग-II (अराजपतित) भर्ती और प्रोन्नति (प्रथम संशोधन) नियम, 2004 है ।

(ii) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे ।

2. संक्षिप्त नाम का संशोधन.—हिमाचल प्रदेश अभियोजन विभाग निजी सहायक वर्ग-III (अराजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1997 (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के संक्षिप्त नाम में शब्द, चिन्ह और रोमन अंक वर्ग-III के स्थान पर वर्ग-II शब्द, चिन्ह और रोमन अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

3. उपाबन्ध “अ” का संशोधन.—(क) उक्त नियमों के उपाबन्ध “अ” में स्तम्भ संख्या 3 में शब्द, चिन्ह और रोमन अंक “वर्ग-III” के स्थान पर “वर्ग-II” शब्द, चिन्ह और रोमन अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(ख) स्तम्भ संख्या-5 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएंगी, अर्थात्:—

“शत प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा ऐसा न होने पर सैकण्डमैट आधार पर”।

(ग) स्तम्भ संख्या-11 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएंगी, अर्थात्:—

“वरिष्ठ वेतनमान आशुलिपिकों में से प्रोन्नति द्वारा जिनका 6 वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में की गई लगातार तदर्थ सेवा यदि कोई हो को सम्मिलित करके 6 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो, ऐसा न होने पर वरिष्ठ वेतनमान आशुलिपिकों में से प्रोन्नति द्वारा जिनका वरिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक और कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक का संयुक्त रूप में 11 वर्ष का नियमित सेवाकाल या की गई लगातार तदर्थ सेवा यदि कोई हो को सम्मिलित करके 11 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो जिसमें वरिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक के रूप में 4 वर्ष की अनिवार्य सेवा भी शामिल होगी। दोनों के न होने पर कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिकों में से प्रोन्नति द्वारा जिनका 14 वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में की गई लगातार तदर्थ सेवा यदि कोई हो को सम्मिलित करके 14 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो, इन सबके न होने पर, हिमाचल प्रदेश सरकार के अन्य विभागों में इस पद के समतुल्य वेतनमान में कार्यरत इस पद के पदधारियों में से सैकण्डमैट द्वारा।”

(1) प्रोन्नति के सभी मामलों में, पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद में की गई निरन्तर तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिये इन नियमों में यथाविहित सेवाकाल के लिये, इस शर्त के अधीन रहते हुए गणना में ली जाएगी, कि सम्भरण प्रवर्ग में तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार चयन की उचित स्वीकार्य प्रक्रिया को अपनाने के पश्चात् की गई थी। परन्तु यह कि उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरण पद में अपने कुल 600 दिवस सेवाकाल (तदर्थ आधार पर की गई सेवा सहित जो नियमित सेवा/नियुक्ति के अनुसरण में हो) के आधार पर उपर्युक्त निर्दिष्ट उपबन्धों के कारण विचार किये जाने का पात्र हो जाता है, उन्हें वहाँ अपने-अपने प्रवर्ग/पद/कांडर में उससे वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किये जाने के पात्र समझे जायेंगे और विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जायेंगे :

परन्तु उन सभी पदधारियों की, जिन की प्रोन्नति के लिए विचार किया जाना है, कम से कम तीन वर्ष की न्यूनतम अर्हता सेवा या पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा इनमें से जो भी कम हो, होगी :

परन्तु यह और भी कि, जहाँ कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तुक की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किए जाने सम्बन्धी विचार के लिए अपात्र हो जाता है, वहाँ उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र समझा जाएगा/समझे जाएंगे।

स्पष्टीकरण.—अन्तिम परन्तुक के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी प्रोन्नति के लिये अपात्र नहीं समझा जाएगा/समझे जाएंगे यदि वरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है, जिसे डिमोबिलाईज्ड आर्मड फोर्स परसोनल (रिजर्वेशन आफ वेकेंसीज इन हिमाचल स्टेट नान-टैक्नीकल सर्विसिज) रूल्ज, 1972 के नियम 3 के उपबन्धों के अधीन भर्ती किया गया हो तथा इनके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों या जिसे एक्स-सर्विसमैन (रिजर्वेशन आफ वेकेंसीज इन दी हिमाचल प्रदेश टैक्नीकल सर्विसिज) रूल्ज, 1985 के नियम 3 के उपबन्धों के अधीन भर्ती किया गया हो तथा इनके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों।

(2) इसी प्रकार स्थायीकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियमित नियुक्ति/प्रोन्नति से पूर्व सम्भरण पद पर की गई तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए गणना में ली जायेगी, यदि तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति उचित चयन के पश्चात् और भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार की गई थी :

परन्तु उपर्युक्त यथा निदिष्ट तदर्थ सेवा के गणना में लेने के पश्चात् जो स्थाईकरण होगा उसके फलस्वरूप पारस्परिक वरीयता अपरिवर्तित रहेगी।

(ङ) उक्त नियमों के स्तम्भ 12 में विद्यमान प्रावधानों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“विभागीय पदोन्नति कमेटी को हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष द्वारा या उसके द्वारा नामनिर्देशित सदस्य द्वारा अध्यक्षता की जाएगी”।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-
प्रधान सचिव।

* [Authoritative English text of notification No. Home (Pros)B(2)-8/99 dated 4-8-2004, as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

HOME (PROSECUTION) DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 4th August, 2004

No. Home (Pros)B(2)-8/99.—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission is pleased to make the following rules to amend the Himachal Pradesh, Prosecution Department, Personal Assistant (Class-III) (Non-Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1997, notified vide this department notification No. LLR-B(14)-1/95 dated 15-3-1997 :—

1. *Short title and commencement.*—(1) These rules may be called the Department of Prosecution, Himachal Pradesh, Personal Assistant, Class-II (Non-Gazetted) Recruitment & Promotion (First Amendment) Rules, 2004.

(2) These rules shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. *Amendment of short title.*—In short title of the Department of Prosecution, Himachal Pradesh, Personal Assistant, Class-III (Non-Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1997 (hereinafter referred as the "said rules") for the word, sign & roman figure "Class-III" the word, sign and roman figure "Class-II" shall be substituted.

3. *Amendment of Annexure-4.*—(a) In Annexure "A" to the said rules in column No. 3, for the word, sign and roman figure "Class-III", the word, sign and roman figure "Class-II" shall be substituted.

(b) For the existing provision against Column No. 5, the following entry shall be substituted, namely:—

"Selection".

(c) For the existing entry against Column No. 10, the following provision shall be substituted, namely:—

"100% by promotion failing which on secondment basis".

(d) For the existing provision against Column No. 11, the following entry shall be substituted, namely:—

"By promotion from amongst the Senior Scale Stenographers with 6 years regular service or regular combined with continuous *ad hoc* service rendered if any, in the grade failing which by promotion from amongst the Senior Scale Stenographers with 11 years regular service or regular combined with continuous *ad hoc* service rendered, if any, as Senior Scale Stenographer and Junior Scale Stenographer combined which shall also include essential service of 4 years as Senior Scale Stenographer failing both by promotion from amongst the Junior Scale Stenographers with 14 years regular service or regular combined with continuous *ad hoc* service rendered if any, in the grade failing all on "secondment" basis from amongst the incumbents of this post working in the identical pay scale from other Himachal Pradesh Government Departments.

(1) In all cases of promotion, the continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post, if any, prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the condition that the *ad hoc* appointment/promotion in the feeder category had been made after following proper acceptable process of selection in accordance with the provisions of R & P Rules, provided that in all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service including the service rendered on *ad hoc* basis followed by regular service/appointment in the feeder post in view of the provisions referred to above, all persons senior to him in the respective category post cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration:

Provided that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of at least three years or that prescribed in the Recruitment and Promotion Rules for the post, whichever is less:

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

Explanation.—The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible persons happened to be Ex-servicemen recruited under the provisions of rule 3 of the Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1972 and having been given the benefit of seniority thereunder :

(2) Similarly, in all cases of confirmation *ad hoc* service rendered on the feeder post, if any, prior to the regular appointment against such post shall be taken into account towards the length of service, if the *ad hoc* appointment/promotion had been made after proper selection and in accordance with the provisions of the R & P Rules :

Provided that *inter-se* seniority as a result of confirmation after taking into account *ad hoc* service rendered shall remain unchanged;

(e) For the existing provisions against Col. No. 12, the following shall be substituted, namely:—

“D.P.C. to be presided over by the Chairman, Himachal Pradesh Public Services Commission or a member thereof to be nominated by him.”

By order,

Sd/-
Principal Secretary.

